साढ़े 4 साल बाद आखिरकार हैरिटेज निगम में गठित हुआ शहरी मंत्रिमंडल!

पूर्ववर्ती मेयर मुनेश गुर्जर का साथ छोड़ने वाले कांग्रेस-निर्दलीय 8 में से 7 पार्षदों को भी मिली चेयरमैन की कुर्सी

जयपुर (कासं)। जयपुर हैरिटेज नगर निगम में साढ़े 4 साल बाद आखिरकार संचालन समितियों का गठन हो गया है। सरकार ने 24 समितियों का गठन किया है। करीब 4 साल 5 माह के लंबे अंतराल के बाद कमेटियां बनाई गई है, परंतु इन कमेटियों का कार्यकाल इसी साल 10 नवंबर तक रहेगा। इसके बाद हैरिटेज निगम के बोर्ड का भी कार्यकाल पूरा हो जाएगा। खास बात ये है कि इन कमेटियों में उन पार्षदों को भी चेयरमेन बनाया है, जो कांग्रेस की मेयर मुनेश गुर्जर को हटाने के लिए बीजेपी के साथ में आए और बीजेपी बोर्ड को समर्थन दिया है।

आपको बता दें कि नवंबर 2020 में बोर्ड

हैरिटेज निगम में संचालन समितियों के गठन के बाद चेयरमैन बने भाजपा, कांग्रेस व निर्दलीय पार्षदों ने मुख्यालय पहुंचकर महापौर कुसुम यादव का स्वागत किया।

राज्य सरकार ने इन पार्षदों को बनाया समिति अध्यक्ष

1 कार्यकारी समिति	कुसुम यादव (कार्यवाहक महापौर)
2 वित्त समिति	कुसुम यादव (कार्यवाहक महापौर)
3 स्वास्थ्य-स्वच्छता समिति (ए)	पूरणमल सैनी
4 स्वास्थ्य-स्वच्छता समिति (बी)	पवन कुमार शर्मा
5 स्वास्थ्य-स्वच्छता समिति (सी)	गिर्राज नाटा
6 विद्युत समिति (ए)	रामकिशन शर्मा
7 विद्युत समिति (बी)	उत्तम शर्मा
8 विद्युत समिति (सी)	अरविंद मेठी
9 भवन अनुज्ञा एवं संकर्म समिति	कुसुम यादव (कार्यवाहक महापौर)
10 गंदी बस्ती सुधार समिति	संतोष कंवर
11 महिला-बाल विकास समिति	अंशु शर्मा
12 नियम एवं उपविधि समिति	विक्रम सिंह
13 अपराधों का शमन-समझौता	धीरज शर्मा
14 लोक वाहन समिति	रजत विश्नोई
15 लाइसेंस समिति	महेन्द्र पहाड़िया
16 फायर समिति	जितेन्द्र कुमार लख्यानी
17 उद्यान-पर्यावरण समिति	पूनम शर्मा
18 पशु नियंत्रण-संरक्षण समिति	सुरेश नावरिया
19 सांस्कृतिक समिति	ज्योति चौहान
20 राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन	मोहम्मद जाकरिया
21 होर्डिंग्स एवं नीलामी समिति	बबीता तंवर
22 नगरीय विकास कर समिति	प्रकाश चंद शर्मा
23 सामाजिक सहायता-लोक कल्याण	हिमांशु ढलेत
24 वर्षा जल पुनर्भरण एवं संरक्षण	पारस जैन
25 फुटकर व्यवसाय पुनर्वास समिति	रवि जैन
26 सीवरेज संधारण समिति	रितु मोतियानी
27 अतिक्रमण निरोधक समिति	मनोज मुद्गल
28 अवैध भवन निर्माण निरोधक	माणक शर्मा

■ **अब इन चेयरमैन का कार्यकाल 7 महीने का शेष, महापौर कुसुम यादव के पास हैं पावरफुल समितियां**

का गठन होने के बाद यहां कांग्रेस की पार्षद मुनेश गुर्जर मेयर बनी थीं, जिसे निर्दलीय पार्षदों ने समर्थन दिया था। तब से अब तक समितियों का गठन नहीं हुआ था। पिछले साल मुनेश गुर्जर को पद से हटाने के लिए कांग्रेस और निर्दलीय 8 पार्षदों ने बीजेपी को समर्थन दिया था। हालांकि इन पार्षदों को बीजेपी ने अब तक प्राथमिक सदस्य नहीं बनाया है। इस समर्थन के बाद राज्य सरकार ने मुनेश गुर्जर को पद से हटाकर कुसुम यादव को कार्यवाहक मेयर बनाया। वहीं, समर्थन देने वाले कांग्रेसी और निर्दलीय पार्षदों को समितियों में चेयरमैन बनाकर उनको तोहफा दिया।

ग्रेटर के पार्षद को बना दिया हैरिटेज में चैयरमेन

फुटकर व्यवसाय पुनर्वास समिति के चैयरमेन रवि जैन को लेकर डीएलबी अधिकारियों में गफलत हो गई। रवि जैन अभी किसी भी वार्ड से पार्षद नहीं है। वे नगर निगम ग्रेटर में पार्षद है। समितियों का जो प्रस्ताव आया था, वह उसमें भी रवि जैन के नाम के आगे कोई वार्ड नंबर या पार्षद होने का जिक्र नहीं था। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि क्या आंखे मूंदकर चैयरमेन तय किए गए है?

इन पार्षदों को दी चेयरमैन की कुर्सी

पूर्व मेयर मुनेश गुर्जर को हटाने के लिए बीजेपी को समर्थन देने वाले कांग्रेस और निर्दलीय 8 पार्षदों में से 7 को सरकार ने समितियों में चेयरमैन बनाया है। इसमें मनोज मुद्गल, उत्तम शर्मा, ज्योति चौहान, अरविंद मेठी, मोहम्मद जकरिया, पारस जैन, संतोष कंवर को चेयरमैन बनाकर बीजेपी ने अपना कमिटमेंट पूरा किया।

महापौर कुसुम यादव को 3 समितियों की कमान सौंपी

इन समितियों में कार्यवाहक मेयर कुसुम यादव को तीन कमेटियों की कमान सौंपी है। कार्यकारी समिति के अलावा कुसुम यादव को वित्त समिति, भवन अनुज्ञा एवं संकर्म समिति का भी चैयरमेन बनाया है। ऐसी चर्चा है कि अब तक किसी मेयर को एक साथ तीन-तीन समितियों का चेयरमैन नहीं बनाया गया है।

दिवंगत पार्षद को बना दिया समिति सदस्य

स्वायत्त शासन विभाग द्वारा जारी की गई सूची में कई नाम चौंकाने वाले नाम शामिल हैं। इस हैरतअंगज लिस्ट में एक दिवंगत पार्षद का नाम सामने आने बाद खलबली मच गई। ज़िम्मेदारों ने छह महीने पहले दिवंगत महिला पार्षद को फायर समिति का सदस्य बना दिया।

गौरतलब है कि 25 नवंबर को हैरिटेज नगर निगम की कार्यवाहक महापौर कुसुम शर्मा ने वार्ड नम्बर 63 से पार्षद सुशीला देवी मीणा के निधन पर संवेदना व्यक्त की थी। लेकिन, जिम्मेदारों ने शहरी सरकार के मंत्रिमंडल विस्तार में दिवंगत को ही सदस्य बना दिया।

कैदियों के पास पहुंचे मोबाइलों का अब नहीं कर सकेंगे इस्तेमाल : डी.जी. जेल

प्रदेश की सभी जेलों में नई व्यवस्था टी.एच.सी.बी.एस. लागू करने जा रहा है जेल प्रशासन : गोविंद गुप्ता

जयपुर । प्रदेश में जेलों से धमकी देने के मामलों में बढ़ रहे तंत्र को पूरी तरह खत्म करने सहित जेलों से जाने वाली धमके के कॉल पर पूरी तरह से अंकुश लगाने के लिए जेल प्रशासन ने कमर कस ली है। इसके लिए जेल प्रशासन ने प्रदेश की सभी जेलों में नई व्यवस्था (टीएचसीबीएस) लागू करने जा रही है। इसे सेंट्रल जेल और हाई सिक्योरिटी जेल पर लागू किया जाएगा। इससे जेल से बाहर कॉल करना असंभव हो जाएगा। संभव: अगर मोबाइल जेल में पहुंच भी गया जब भी कैदी उसका इस्तेमाल नहीं कर सकेंगे। इसके लिए हाईटेक मशीनों का उपयोग किया जाएगा,जो जैमर्स से भी पावरफुल होंगे।

डी.जी. जेल गोविंद गुप्ता

पुलिस महानिदेशक (डीजी) जेल गोविंद गुप्ता ने बताया कि हाईटैक मशीनों लगाने के बाद जेलों में उपयोग में होने वाली सिम की कॉल बाहर नहीं जाए। इसके लिए सभी जेलों में में टावर फॉर हार्मोनियस कॉल ब्लॉकिंग सिस्टम (टीएचसीबीएस) नाम से नई टेक्नॉलॉजी को ला रहे हैं। इसके लिए जेल परिसर में एक टावर लगाया जाएगा। इस टावर पर सभी मोबाइल नेटवर्क प्रदान करने वाली कंपनियां अपने-अपने इंस्ट्रूमेंट लगाएंगी। जिससे मोबाइल कॉल बाहर नहीं जा सकेगा। इस सिस्टम को लगाने के बाद जेल से कॉल होना लगभग असंभव हो जाएगा। आगामी तीन-चार महीनों में बीकानेर, जयपुर, अजमेर, जोधपुर जेलों में और उसके बाद प्रदेश की सभी जेलों में यह टावर लगा दिए जाएंगे। यह लगने के बाद नॉर्मल और इंटरनेट कॉल भी नहीं लगेगा। इस तकनीक की खासियत होगी कि यह किसी भी कम्पनी के मोबाइल को जेल परिसर में नहीं चलने देगी। किसी भी टेलिकॉम कम्पनी की सिम चालू की जाएगी तो यह तकनीक रिवर्स कॉल कर उसके नेटवर्क को खत्म कर देगी। जेलों में हर टेलिकॉम कंपनी का सेटअप लगाया जाएगा।

अविलम्ब बदले जाएं खराब मीटर : आरती डोगरा

जयपुर । डिस्कॉम्स चेयरमैन आरती डोगरा ने जयपुर डिस्कॉम के सभी सब डिविजन कार्यालयों में उपभोक्ताओं के डिफेक्टिव मीटर तत्काल प्रभाव से बदलने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि डिफेक्टिव मीटर बदलने में देरी के कारण औसत उपभोग के आधार पर बिलिंग की जाती है, जिसका नुकसान निगम को राजस्व हानि के रूप में होता है। उन्होंने निर्देश दिए कि फील्ड के सभी अधीक्षण अभियंता अपने-अपने क्षेत्र के सब डिविजनों में खराब मीटर बदलने की नियमित मॉनीटरिंग करें। जिन क्षेत्रों में डिफेक्टिव मीटर की समस्या अधिक आ रही है, वहां के लिए विशेष टीम गठित कर क्रॉस वेरीफिकेशन कराएं।

डिस्कॉम्स चेयरमैन सोमवार को विद्युत भवन में वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से सर्किल अधीक्षण अभियंताओं तथा सहायक अभियंताओं (ओएंडएम) के साथ डिफेक्टिव मीटर, लंबित कनेक्शन, बकाया राजस्व की वसूली आदि से संबंधित विषयों की समीक्षा कर रही थीं। उन्होंने कहा कि मुख्यालय की मैटेरियल मैनेजमेंट शाखा सभी सब डिविजनों में मांग के अनुरूप मीटर की उपलब्धता सुनिश्चित करे, ताकि खराब मीटर अविलम्ब बदले जा सकें।

डोगरा ने अधीक्षण अभियंताओं से उनके क्षेत्र में सब डिविजन वार खराब मीटरों की संख्या के बारे में जानकारी ली और अप्रेल माह के अंत तक सभी प्रकरणों में नए मीटर लगाने के निर्देश दिए। उन्होंने एईएन कार्यालयों में घरेलू एवं अघरेलू तथा पीएचईडी श्रेणी के बकाया कनेक्शनों की भी समीक्षा की। डिस्कॉम्स चेयरमैन ने यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि किसी भी स्तर पर कनेक्शन जारी करने में देरी न हो। जॉब ऑर्डर अथवा सर्विस कनेक्शन ऑर्डर की अपूर्णता के बहाने इन्हें अटकाया नहीं जाए। गर्मियों को देखते हुए पीएचईडी से संबंधित कनेक्शनों को प्राथमिकता के आधार पर जारी किया जाए।

सीमेंट में रेत मिलाकर डाल रहे कल्वर्टर बॉक्स?

सिरसी रोड से पांच्यावाला तक बारिश के पानी की निकासी के लिए 48 करोड़ में दिया था ठेका

जयपुर (कासं)। सिरसी रोड से पांच्यावाला तक बारिश के पानी की निकाली के लिए डाले जा रहे कल्वर्टर बॉक्स सीमेंट में बजरी की जगह, रेत और बुरादा मिला कर डाले जा रहे हैं। इसके बावजूद जयपुर विकास प्राधिकरण के जोन 7 के इंजीनियर ठेकेदार पर मेहरबान बने हुए है। दिनदहाड़े की जा रही इस गफलत और गड़बड़ी के बावजूद दोषी ठेकेदार पर कार्रवाई के बजाय अफसर चुप्पी साधे बैठे है।

सूत्रों की मानें तो जेडीए ने इस काम के लिए 48 करोड़ रुपए में टैंडर किया है, जो लालचंद तिवारी के नाम पर खुला है। मौके पर न तो ठेकेदार और न ही जेईएन कोई भी मौजूद नहीं है। सिर्फ नौसिखिया लेबर ये बॉक्स डाल रही है, इससे लेवल बिगड़ने और मिट्टी ढहने की आंशका बनी हुई है।

सूत्रों की मानें तो कल्वर्टर बॉक्स डालते समय बजरी या एमसेंड का उपयोग किया जाता है। ये बॉक्स के नीचे सीमेंट में फर्श बना कर

बिछाई जाती है। सूत्रों की मानें तो ठेकेदार ने यह काम एचआर कंस्ट्रक्शन को सबलेट किया हुआ है। सीमेंट में बुरादा या रेत का खुलेआम उपयोग कर रहा है, इससे ठेकेदार लाखों रुपए की बचत हो रही है लेकिन काम की क्वालिटी खराब हो रही है। पानी आने के बाद लीकेज होने से बाक्स का लेवल बिगड़ेगा, जिससे सडक में बड़ा गड्डा हो सकता है या फिर पानी भर सकता है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि मौके पर बाक्स डालते समय जेईएन का या ठेकेदार का होना जरूरी है पर मौके पर कोई मौजूद नहीं रहता। नौसिखिया लेबर ही बाक्स डालने का काम कर रही है। उन्हें न तो लेवल का पता है और न ही सामान का। मौके पर जो मसाला बनाया जा रहा है वो मिक्सर मशीन से बना कर नहीं डाला जा रहा है। ऐसे में कितनी सीमेंट, कंक्रीट डाली जाएगी इसका भी कोई पता नहीं है।

बताया जा रहा है कि ड्रेनेज बॉक्स डालते समय बीच-बीच में चैंबर के लिए मौके पर कास्ट किया जा रहा है। परंतु न तो पूरे सरिए डाले जा रहे हैं और ना ही पत्थर। नियमानुसार प्री-कास्ट चैंबर ही इस्तेमाल किया जाना चाहिए, जिससे मजबूती आती। ठेकेदार बचत करने के चक्कर में प्रीकास्ट चैंबर नहीं लगा कर मौके पर बना रहा है।

घर से जेवर और नकदी चुरा ले गया बदमाश

जयपुर । सोडाला थाना इलाके में बाइक सवार दो चोरों ने एक घर की दीवार फांदकर लाखों रुपए के जेवरात सहित नकदी चोरी कर लिए। वारदात के दौरान मकान मालिक परिवार सहित घर से बाहर थी। घर में चोरी की जानकारी मिली तो वह वापस लौटी और मामला दर्ज करवाया।

पुलिस ने बताया कि नंदपुरी हवा सडक की रहने वाली पीडिता सुषमा पारीक ने मामला दर्ज करवाया कि वह और उसका पति प्रकाश पारीक दोनों हाईकोर्ट राजस्थान में वकील हैं। कुछ दिन पहले ही वह अपनी बेटी से मिलने के लिए बैंगलोर गए हुए थे। वहीं पडोसी ने फोन कर चोरी की सूचना दी। इसके बाद अगले दिन घर पहुंचे तो देखा कि घर के सभी कमरों के ताले टूटे हुए थे और आलमारी से लाखों रूपये के सोने -चांदी के जेवरात सहित नगदी गायब मिली। पुलिस ने मामला दर्ज कर आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाल बदमाशों की तलाश कर रही है।

प्रशासनिक अधिकारी पांच हजार रु. रिश्वत लेते पकड़ा

एसीबी ने जिला खाद्य सुरक्षा एवं औषधी नियंत्रण कार्यालय जयपुर में तैनात अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी दिनेश कुमार को 5 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया।

जयपुर । राजधानी जयपुर में भ्रष्टाचार के खिलाफ एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) ने सोमवार को एक और बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया। जिला खाद्य सुरक्षा एवं औषधी नियंत्रण कार्यालय जयपुर में तैनात अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी दिनेश कुमार को 5 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है।

गिरफ्तार आरोपी दिनेश कुमार (59) मूलत: प्रेम नगर फाय सागर रोड अजमेर हाल जवाहर नगर अति. प्रशासनिक अधिकारी, जिला कार्यालय में खाद्य सुरक्षा एवं औषधी नियत्रंण के पद पर कार्यरत है।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के महानिदेशक डॉ. रवि प्रकाश मेहरडा ने जानकारी देते हुए बताया कि एसीबी जयपुर नगर-प्रथम इकाई को एक शिकायत मिली थी। जिसमें परिवादी ने बताया कि दिनेश कुमार, अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी उसकी मेडिकल दुकान का नाम परिवर्तन करने के एवज में 5 हजार रुपए की रिश्वत मांग कर परेशान कर रहा है।

■ **पीड़ित की मेडिकल दुकान का नाम परिवर्तन करने की एवज मांग रहा था रिश्वत की राशि**

मामले को गंभीरता से लेते हुए राहुल कोटोकी, उप महानिरीक्षक पुलिस-द्वितीय के सुपरविजन और भूपेन्द्र, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, जयपुर नगर प्रथम के नेतृत्व में ट्रैप टीम का गठन किया गया।

टीम ने शिकायत के सत्यापन किया। मामले में रिश्वत की पुष्टि होने के बाद योजनाबद्ध तरीके से कार्रवाई करते हुए आरोपी को 5 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगहाथों गिरफ्तार कर लिया। इस कार्रवाई में उप अधीक्षक श्री नीरज गुरनानी सहित एसीबी की विशेष टीम मौजूद रही। उन्होंने बताया कि एसीबी की अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस स्मिता श्रीवास्तव के सुपरवीजन में आरोपी से पूछताछ तथा कार्रवाई जारी है।

जवाहर कला केन्द्र का स्थापना दिवस समारोह आज से

जयपुर । जवाहर कला केंद्र, जयपुर 8 अप्रैल को अपना 32वां स्थापना दिवस मनाने जा रहा है। इस अवसर पर तीन दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। पर्यटन, कला, साहित्य, संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग के शासन सचिव रवि जैन ने स्थापना दिवस समारोह के पोस्टर का विमोचन किया। इस अवसर पर केन्द्र की वरिष्ठ लेखाधिकारी बिंदु भोभरिया, सहायक निदेशक अब्दुल लतीफ उस्ता मौजूद रहे। मंगलवार प्रात: 11:30 बजे डूडल वॉल पर कल्पनाओं को साकार करने के साथ समारोह का उद्घाटन होगा। समारोह के अंतर्गत अलंकार दीर्घा में राजस्थान के लुप्तप्राय लोक वाद्य यंत्रों की विशेष प्रदर्शनी भी आयोजित की जा रही है। तनेराज सिंह सोढ़ा के क्यूरेशन में होने वाली प्रदर्शनी में 100 से अधिक लोक वाद्य यंत्र देखने को मिलेंगे।

सार-समाचार

विशेषज्ञों ने साझा किए स्वास्थ्य मंत्र

जयपुर । विश्व स्वास्थ्य दिवस के उपलक्ष्य में मानव सेवा ट्रस्ट राजस्थान एवं आरोग्य क्लब के संयुक्त तत्वावधान में विवेकानंद ग्लोबल यूनिवर्सिटी के ऑडिटोरियम में एक विशेष जागरूकता सेमिनार का भव्य आयोजन किया गया। सेमिनार का विषय था "सशक्त स्वास्थ्य और कल्याण, जिसका उद्देश्य विभिन्न चिकित्सा पद्धितयों के समन्वय से समग्र और सशक्त स्वास्थ्य दृष्टिकोण को बढ़ावा देना था । स्वास्थ्य कल्याण होमियोपैथिक कॉलेज एवं रिसर्च सेंटर के वरिष्ठ होम्योपैथ प्रो. डॉ. राजीव सक्सेना ने रोग के मूल कारणों को जड़ से समाप्त करने की प्रणाली और इसके दुष्प्रभाव रहित उपचार की महत्ता पर प्रकाश डाला। आयुर्वेद पर से.नि. एडिशनल डायरेक्टर आयुर्वेद विभाग डॉ. जीतेन्द्र सिंह कोठारी ने बताया कि किस प्रकार संतुलित आहार, जीवनशैली, औषधियाँ और पंचकर्म जैसी प्रक्रियाएँ शारीरिक, मानसिक और आत्मिक स्वास्थ्य को संतुलित करती हैं। एलोपैथी के पक्ष में महात्मा गाँधी अस्पताल के डॉ. एन.के. टाक ने आधुनिक तकनीक और त्वरित निदान-उपचार की क्षमता को रेखांकित किया। साथ ही नशा मुक्ति के उपाय साझा किये नेचुरोपैथी पर डॉ. मनोज शर्मा ने प्रकृति के तत्वों जैसे जल, वायु, सूर्य और मिट्टी के माध्यम से उपचार के सरल और प्रभावी तरीकों की जानकारी दी।

रेस्टोरेन्ट में चल रहे हुक्का बार पर छापा

जयपुर । विधायकपुरी थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए रेस्टोरेन्ट की आड में चल रहे हुक्का बार में छापेमारी करते हुए 22 हुक्के, 30 पाइप एवं 13 चिलम जब्त किए है और साथ ही 5 लोगों का कोटपा एक्ट में चालान किए। इसके अलावा पुलिस ने इस दौरान 34 लोगों को शांतिभंग में गिरफ्तार पांच चौपहिया वाहन को जब्त किया। पुलिस उपायुक्त जयपुर दक्षिण दिगंत आनन्द ने बताया कि विधायकपुरी थाना पुलिस ने रविवार देर रात तक बुलिसियस बार एण्ड रेस्टोरेन्ट में हुक्का चलने की सूचना पर आरोपी चन्द्र बहादुर छेत्री उर्फ विशाल पुत्र साहिब कुमार छेत्री को हुक्का पिलाते गिरफ्तार किया। इसके कब्जे से 22 हुक्के, 30 पाईप एवं 13 चिलम व 4 डिब्बा हुक्का फ्लेवर जब्त कर 5 व्यक्तियों का कोटपा एक्ट में चालान किया गया। इसके अलावा पुलिस ने इनामी अपराधी अजय उर्फ रामेश्वर को भी मौके से गिरफ्तार किया।

ज्वैलरी शॉप से लाखों रु. के जेवर चोरी

जयपुर । ब्रह्मपुरी इलाके में बदमाशों ने एक ज्वेलरी की एक शॉप में लाखों रुपए कीमत के सोने-चांदी के जेवरात चोरी होने का मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि ज्वेलरी शॉप के पास लगे सीसीटीवी फुटेज में चोर की करतूत कैद हो गई। पुलिस फुटेज के आधार पर चोर की तलाश कर रही है। पुलिस ने बताया कि ब्रह्मपुरी के सीताराम बाजार निवासी अमित सोनी (27) ने मामला दर्ज करवाया है कि थाना इलाके में स्थित बड़ा अखाड़ा मंगला माता मार्ग पर उसकी ज्वेलरी की शॉप है। जहां 3 अप्रैल की रात वह रोज की तरह शॉप मंगल कर घर आ गया। इस दौरान शॉप का ताला तोड़कर बदमाश अंदर घुसे और के सोने-चांदी के जेवरात सहित व पत्ते के नगीने का पैकेट चोरी कर ले गए। अगले दिन शॉप पर आने पर चोरी का पता चला। पुलिस चोरी की सूचना पर मौके पर पहुंची और मामला दर्ज कर चोरों की तलाश में जुट गई है।

घर में घुसकर युवती से जबरदस्ती

जयपुर । सुभाष चौक थाना इलाके में एक परिचित युवक द्वारा युवती से दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। पीडिता का आरोप है कि आरोपित ने मिलने के बहाने घर आकर उसके साथ जबरदस्ती की। इस संबंध में पीडिता की ओर से थाने में मामला दर्ज करवाया। पुलिस ने बताया कि दिल्ली की रहने वाली 28 वर्षीय युवती ने मामला दर्ज करवाया है कि साल-2019 में जयपुर के सुभाष चौक इलाके में रहती थी। यहां उसकी मुलाकात आरोपी से हुई थी। बातचीत होने पर दोनों में अच्छा परिचय हो गया। पीड़िता का आरोप है कि परिजनों की गैरमौजूदगी में आरोपी मिलने के बहाने उसके घर आया। और अकेला पाकर आरोपी ने उसके साथ जबरदस्ती की। विरोध करने पर डरा-धमकाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। पिछले चार साल तक आरोपी परिजनों की गैरमौजूदगी का फायदा उठाकर उसके साथ देह शोषण करता रहा। दिल्ली के पुलिस स्टेशन में पीडिता ने आरोपी के खिलाफ शिकायत दर्ज करवाई। इसके बाद दिल्ली पुलिस पुलिस ने जीरो नंबर एफआईआर कटकर मामला सुभाष चौक थाना पुलिस के भेज दिया। ने मामला दर्ज कर जांच में जुटी है।

तेज रफ्तार वाहन ने महिला को कुचला

जयपुर । बगरू थाना इलाके में तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने पैदल चल रही एक महिला को टक्कर मार दी। इस हादसे में महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। जिसे मौके पर पहुंची पुलिस ने एसएमएस अस्पताल पहुंचाष। जहां इलाज के दौरान उसकी रविवार देर रात को मौत हो गई। पुलिस के अनुसार हादसा चार अप्रेल को हुआ था। मृतक महिला की शिनाख्त नहीं होने के कारण शव को मुर्दाघर में रखवा दिया गया है। और साथ ही पुलिस मृतक महिला की पहचान के प्रयास में जुटी है। मामले की जांच कर रही सडक दुर्घटना थाना (पश्चिम द्वितीय) के अनुसार हादसा बगरू थाना इलाके में स्थित बडके बालाजी कट अजमेर रोड पर हुआ था। जहां एक 50 वर्षीय अज्ञात महिला पैदल चल रही थी। जिसे तेज रफ्तार किसी अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। जिसके बाद लोगों की सूचना पर पुलिस ने मौके पर पहुंच कर एसएमएस अस्पताल में भर्ती करवाया। जहां उसकी इलाज के दौरान रविवार रात को मौत हो गई। महिला की शिनाख्त नहीं होने के चलते शव को एसएमएस अस्पताल के मुर्दाघर के डीप फ्रीज में रखवा दिया गया है।

सड़क हादसे में घायल व्यक्ति की मौत

जयपुर । रामनगरिया थाना इलाके में सड़क हादसे में घायल एक व्यक्ति की इलाज के दौरान मौत हो गई। मृतक की शिनाख्त नहीं होने पर शव को मोर्चरी में रखवाया दिया गया है। पुलिस के अनुसार हादसा 31 मार्च को हुआ था। जहां एक अज्ञात व्यक्ति थाना इलाके में स्थित स्विमिंग पूल गोनेर रोड के पास सडक हादसे में घायल हो गया। लोगों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को जीवनरेखा अस्पताल में भर्ती करवाया गया। जहां इलाज के दौरान उसकी रविवार रात को मौत हो गई। मृतक की 30 से 35 वर्ष की बताई जा रही है। पुलिस शिनाख्तगी के प्रयास कर रही है।

ट्रेन की चपेट में आने से युवक की मौत

जयपुर । मालपुरा गेट थाना इलाके में ट्रेन की चपेट में आने से अधेड व्यक्ति की मौत हो गई। लोगों की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लिया। मृतक की शिनाख्त नहीं होने पर पुलिस ने शव को मोर्चरी में रखवा दिया गया है। साथ ही मृतक व्यक्ति की शिनाख्तगी के प्रयास में लगी है। पुलिस ने बताया कि हादसा थाना इलाके में रेलवे लाइन पर बयाना ट्रेन से हुआ था। जहां 35 वर्षीय एक अज्ञात व्यक्ति ट्रेन की चपेट मे आ गया। जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शिनाख्त नहीं होने पर शव को महात्मा गांधी अस्पताल की मोर्चरी में रखवा दिया है।

भगवान राम-शिव की महिमा का बखान

जयपुर । जवाहर कला केन्द्र की ओर से सोमवार को आयोजित भजन संध्या सुमिरन में श्रोताओं को मंत्रमुग्ध करने वाले भजन सुनने को मिले। बनारस के सुजीत तिवारी और मुंबई के ओम प्रकाश श्रीवास्तव ने अपनी सुरीली प्रस्तुति से समां बांधा। ओम प्रकाश श्रीवास्तव ने अपने गायन में राम नाम की महिमा का बखान किया। उन्होंने राम का सुमिरन करो भजन से प्रस्तुति की शुरुआत की। इसके बाद सकल जगत में रमने वाले घट-घट में श्री राम की मधुर प्रस्तुति दी। आदि देव महादेव शंभु त्रिपुरारी गाकर उन्होंने भगवान शंकर के चरणों में नमन किया। अंतरिक्ष में रम रहा शिव अनादि अनंत है और कभी राम राम बोलो कभी श्याम श्याम बोलो भजन के साथ उन्होंने माहौल को शिवमय बना दिया। तबले पर सावन कुमार, वायलिन पर मन भावन, कि-बोर्ड पर हबीब खान, ऑक्टोपैड पर भवानी ने संगत की।